राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI.No. UPHIN/2019/79073

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करे
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | 9511151254 | epaper.swatantraprabhat.com | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव सीतापुर, हरदोई, शाहजहाँपुर, उन्नाव, हमीरपुर, बाराबंकी, अयोध्या, सुल्तानपुर, अम्बेडकरनगर,

लखनऊ, रविवार, 14 अप्रैल 2024
वर्ष 05, अंक 194, पृष्ट 12, मूल्यः 03 रुपया
www.swatantraprabhat.com

प्रयागराज, बांदा, महोबा, मिर्जापुर, भदोही, ललितपुर, झारखण्ड, दिल्ली, बिहार, उत्तराखंड आदि जनपदो में प्रसारित

कैंट पुलिस ने पकड़ा फर्जी दरोगा,पत्नी व ससुराल वालों को खुश करने के लिए पहनी वर्दी ...11

भारत ने अफगानिस्तान में हिंदू व सिखों की भूमि लौटाने के कदम को सकारात्मक घटनाक्रम बताया...12

निर्वाचन आयोग को ईवीएम पर आरटीआई का जवाब न देने पर सीआईसी की फटकार

● एक आरटीआई आवेदन में निर्वाचन आयोग से चुनाव के दौरान ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की विश्वसनीयता पर सवालों को लेकर उठाए कदमों पर जवाब मांगा गया था. केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने इसका उत्तर न देने को क़ानून का 'घोर उल्लंघन' क़रार देते हुए चुनाव आयोग को लिखित स्पष्टीकरण देने को कहा है.

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली- केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा एक सूचना के अधिकार (आरटीआई) याचिका का जवाब न देने पर 'कड़ी आपत्ति' जताई है. इस आरटीआई में आयोग से चुनाव के दौरान ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की विश्वसनीयता पर प्रतिष्ठित लोगों की ओर से उठाए गए सवालों के प्रतिनिधित्व के लिए उठाए कदमों पर जवाब मांगा गया था. सीआईसी ने इसे कानून का 'घोर उल्लंघन' करार देते हुए चुनाव आयोग को लिखित स्पष्टीकरण देने का भी निर्देश दिया है.

पूर्व आईएएस अधिकारी एमजी देवसहायम (MG Devasahayam) उन लोगों में शामिल हैं, जिन्होंने ईवीएम, वीवीपीएटी और मतगणना प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर सवाल करते हुए आरटीआई के तहत चुनाव आयोग में एक आवेदन दायर किया था और आयोग द्वारा इस की गई कार्रवाई का ब्योरा मांग रहे थे. यह अभ्यावेदन 2 मई, 2022 को चुनाव आयोग को भेजा गया था.

मालूम हो कि 22 नवंबर, 2022 को दायर आरटीआई आवेदन के माध्यम से देवसहायम ने जानकारी मांगी कि उनकी आरटीआई पर क्या किसी उत्तरदायी व्यक्ति की इस पर बैठक हुई या यह फाइल किसे फॉरवर्ड किया गया था. चुनाव आयोग ने अनिवार्य 30-दिन की अवधि के भीतर उन्हें कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष देवसहायम की पहली अपील भी नहीं सुनी गई.

चुनाव आयोग ने अनिवार्य 30 दिन की अवधि के भीतर उन्हें कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष देवसहायम की पहली अपील भी नहीं सुनी गई. उन्होंने आयोग से प्रतिक्रिया की कमी का हवाला देते हुए दूसरी अपील में सीआईसी से संपर्क किया. जब मुख्य सूचना आयुक्त हीरालाल सामरिया ने पूछताछ की, तो चुनाव आयोग के केंद्रीय सार्वजनिक सूचना अधिकारी इस बात पर संतोषजनक जवाब देने में विफल रहे कि देवसहायम को कोई जवाब क्यों नहीं दिया गया.

सीआईसी सामरिया ने कहा, 'आयोग, आरटीआई अधिनियम के तहत निर्धारित समयसीमा के भीतर आरटीआई आवेदन का कोई जवाब नहीं देने पर तत्कालीन पब्लिक इंफॉर्मेशन ऑफिसर (पीआईओ) के आचरण पर गंभीर नाराजगी व्यक्त करता है. इसलिए, यह आयोग निर्देश देता है कि पीआईओ को वर्तमान पीआईओ के माध्यम से आरटीआई के प्रावधानों के घोर उल्लंघन के लिए एक लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना होगा.' उन्होंने कहा कि यदि चूक के लिए अन्य लोग भी जिम्मेदार हैं, तो सीपीआईओ उन्हें आदेश की एक प्रति देगा और यह सुनिश्चित करेगा कि ऐसे लोगों की लिखित दलीलें सीआईसी को भेजी जाएं.

सामरिया ने चुनाव आयोग को 30 दिनों के भीतर आरटीआई आवेदन पर बिंदुवार जवाब देने का भी निर्देश दिया.

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) और भारतीय प्रबंधन संस्थानों (आईआईएम) के प्रोफेसरों और सेवानिवृत्त आईएएस, आईपीएस और आईएफएस अधिकारियों सहित पूर्व सिविल सेवकों सहित प्रसिद्ध टेक प्रोफेशनल्स और शिक्षाविदों ने ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठाते हुए चुनाव आयोग को पत्र लिखा था. गौरतलब है कि 2 मई, 2022 को लिखे गए पत्र में कहा गया था, 'इस ज्ञापन के माध्यम से हम, तकनीकी पेशेवरों, शिक्षाविदों और पूर्व सिविल सेवकों सहित संबंधित नागरिक समाज के सदस्यों का एक प्रतिनिधि समूह निर्वाचन आयोग के समक्ष कुछ बातें रखना चाहते हैं जिनका चुनावी लोकतंत्र के रूप में भारत के अस्तित्व पर असर पड़ता है और हम आयोग से इस पर तत्काल प्रतिक्रिया की उम्मीद करेंगे.'

विश्वसनीयता पर उठाए सवालों को आयोग को भेजा

पूर्व आईएएस अफसर एमजी देवश्याम समेत एक प्रतिनिधिमंडल ने इलेकॉट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम), वोटर वैरिफाइएबिल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) और मतगणना की विश्वसनीयता पर उठाए सवालों के प्रतिनिधित्व चुनाव आयोग को 2 मई, 2022 को भेजा था।

चुनाव आयोग ने प्रतिनिधित्व को लेकर क्या कदम उठाए

अब उन्होंने ही आरटीआई के जरिये पूछा है कि चुनाव आयोग ने इस प्रतिनिधित्व को लेकर क्या कदम उठाए हैं। देवश्याम ने आरटीआई याचिका 22 नवंबर, 2022 को डाली थी।

धड़ल्ले से हो रहा गोंडा जिले मे अवैध बसों का संचालन

» दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, शाहजहांपुर, मुरादाबाद, रामपुर, बाराबंकी, सीतापुर, लखनऊ, के बीच होने वाली कमर्शियल गतिविधियों का माल भी बड़े पैमाने पर मंगाया गोण्डा जाता

» सूत्रों की मानें तो इस अवैध धंधे में अधिकारी और बड़े राजनेता भी शामिल हैं जिससे यह अवैध कारोबार जोरों से फल फूल रहा है।

स्वतंत्र प्रभात

गोण्डा- जिले लग्जरी यात्री बसों में वैशाली,न्यू इंडिया, पाठक बस सर्विस की बसे अवैध ढुलाई खुलेआम चल रही है लेकिन जिम्मेदार विभाग के पास कार्रवाई के करने की फुर्सत नहीं है।वही सूत्र बता रहे है कि परिवहन विभाग में तैनात पीटीओ शैलेंद्र त्रिपाठी और वैशाली बस के संचालक के रिश्तेदारी और रिश्तेदारी का खेल चल रहा है इस लिए पीटीओ साहब सिर्फ खानापूर्ति को रामपुर करने के लिए कार्रवाई करते हैं।और करोड़ों के राजस्व का चूना लगाकर निजी बस संचालकों को फायदा पहुंचाया जा रहा है।यही नहीं इस कारोबार से यात्रियों के सामान और जान पर जोखिम बना रहता है।जिसका जीता जागता उदाहरण

आए दिन सड़कों पर दिखाई देता है।वही सूत्र बता रहे है कि परिवहन विभाग के पीटीओ शैलेंद्र त्रिपाठी की उदासीनता या फिर रिश्तेदारी में हिस्सेदारी का खेल होने के कारण सड़कों पर खुलेआम अनफिट बसें डबल डेकर की लगजरी बसें अधिकारियों की आशिर्वाद से दौड़ रही हैं।पूर्व में यात्रियों का लगेज गायब होने की घटनाएं हुई भी हैं लेकिन उनमें कोई कार्रवाई नहीं की जाती।वही परिवहन कार्यालय के जिम्मेदार वैशाली,न्यू इंडिया, पाठक बस सर्विस की बसो से माल की ढुलाई से अधिकारी अनजान बने हुए हैं।और बड़ी घटना का इंतजार कर रहे हैं।सूत्रों की मानें तो इस अवैध धंधे में अधिकारी और बड़े राजनेता भी शामिल हैं जिससे यह अवैध कारोबार जोरों से फल फूल रहा है।

यात्री बसों से नहीं होनी चाहिए ढुलाई

सैकड़ों निजी यात्रियों को दिल्ली के कश्मीरी गेट से लेकर वैशाली की बसें यात्रियों और लगेज लाद निकलती है और रास्ते यूपी के बॉर्डर पड़ते हैं।वहाँ से दर्जनों से अधिक शहरों में प्रवेश होते हुए अन्य स्थानों पर ले जाने के लिए दर्जनों से अधिक बसें शहर से प्रस्थान करती हैं।वहां से बड़े पैमाने पर इन निजी बसों के जरिए पार्सल भेजे जाते हैं।लेकिन इन पार्सलों की कोई फूलप्रूफ जांच नहीं की जाती।पार्सल के अंदर विस्फोटक, मादक पदार्थ कुछ भी रखकर भेजा जा सकता है।बसों में यात्री लगेज की आड़ में बड़े पैमाने पर कॉमर्शियल गुड्स की ढुलाई की जा रही है।इससे हर महीने मोटा व्यवसाय किया जा रहा है। नियमानुसार इन बसों में निर्धारित यात्री लगेज के अलावा व्यावसायिक माल की ढुलाई नहीं होनी चाहिए।

सिर्फ खानापूर्ति के लिए सड़कों पर फ्लाइंग स्कॉट जांच

आरटीओ विभाग की उदासीनता के कारण वैशाली,न्यू इंडिया, पाठक बस सर्विस की बसों में क्षमता से अधिक भीड़ व अन्य कारणों से दुर्घटनाएं होती हैं।लेकिन संबंधित विभाग इन बसों के माध्यम से माल ढुलाई के साथ ही समय-समय पर वाहन की वहन क्षमता, वाहन की स्थिति की जांच में भी लापरवाही बरत रहा है।परिवहन विभाग का फ्लाइंग एस्कॉर्ट जिन वाहनों से मंथली कार्ड वसूली नहीं की जाती ऐसे वाहनों को महामार्ग को तलाश करने में लगा रहता है।जिसके चलते इन लग्जरी वाहनों की सघन तलाशी अभियान नहीं चलाया जाता और इसके माध्यम से अधिकारी मोटी मलाई काट रहे हैं।

तीसरी आंख को रतौंधी

दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, शाहजहांपुर, मुरादाबाद, रामपुर, बाराबंकी,सीतापुर, लखनऊ, के बीच होने वाली कमर्शियल गतिविधियों का माल भी बड़े पैमाने पर मंगाया गोण्डा जाता है।कुछ माल पैकेट पर लिखकर मंगाने भेजने से काफी सस्यात्राता पड़ता है।माल का पार्सल खोलकर चेक नहीं किया जाता।छोटे पैकेट के 500 सौ रुपए और कार्टून के 700 सौ रुपए लगते हैं।पार्सल का बुकिंग काउंटर 24 घंटे खुला रहता है और किसी भी समय बुकिंग करवा सकते हैं,मजे की बात तो यह है कि कमर्शियल लगेज से लदी बस पुलिस के थाने के सामने से ही और संभागीय परिवहन कार्यालय के सामने से होकर प्रतिदिन गुजरती है लेकिन जिम्मेदार आंख बंद करे हुए हैं, इसके अलावा शहर में घुसते ही तीसरी आंख की जद में भी आते हैं लेकिन तीसरी आंख को रतौंधी होने के चक्कर में वह भी इसे देख नहीं पाती।मनकापुर बस स्टैंड के पास गोंडा उतरौला रोड एसमय स्कूल के बगल सुबह के समय बड़े पैमाने पर लग्जरी बसों से कमर्शियल गुड्स उतारा जाता है जिसकी और स्थानीय प्रशासन ने पूरी तरह से लापरवाही बरत रखी है।

यात्रा सुरक्षित नहीं- चेक पोस्ट नहीं होती संघन जांच

दिल्ली से गोण्डा का या फिर गोण्डा, दिल्ली, लुधियाना, तक का सफर करना है तो,ज़िले की सभी तहसीलों में ट्रेवल्स एजेंट और उनके कार्यालय द्वारा टिकट उपलब्ध कराई जाती है,जानकारों की माने तो ऐसे किसी ट्रेवल्स की बसों के संचालन की अनुमति संभाग में नहीं है, बावजूद इसके गोण्डा या दिल्ली से यात्रियों को अनेक ट्रेवल्स द्वारा टिकट काटकर दी जाती है,टिकट में स्पष्ट लिखा है कि यात्री अपने सामान की स्वयं रक्षा करें इससे साफ जाहिर होता है कि जिले मे अवैध बसों का संचालन धड़ल्ले से हो रहा है आये दिन खान्देश में नशीली मादक पदार्थो और प्रतिबंधित पान मसाला गुटखा का जखीरा पकड़ा जाता है लेकिन कभी इन बसों की दिल्ली से आने वाली बसों की चेकपोस्ट पर जांच पड़ताल नहीं होती कि आखिर इन बसों से आ क्या रहा है सूत्र बता रहे है कि जागरूक लोगों ने कलेक्टर सहित पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि यात्री बसों से कमर्शियल गुड्स की अवैध ढुलाई पर रोक लगाई जाये और इन बसों की जांच की जाये कि आखिर इन बसों से बड़े शहरों से क्या भेजा जा रहा है।वही इसकी जानकारी परिवहन विभाग के पीटीओ शैलेंद्र त्रिपाठी से ली गई तो उन्होंने फोन पर बताया कि हमारा कोई रिश्तेदार नहीं है।हम आए दिन लगातार कार्रवाई कर रहे हैं।हमारे पास जितना अधिकार है उसका हम प्रयोग कर रहे हैं।

संक्षिप्त ख़बरें

पूर्व सैनिकों ने सेवानिवृत कैप्टन को दी श्रद्धांजलि

शिकोहाबाद। भूतपूर्व सैनिक कल्याण समिति नगला गुलाल के नेतृत्व में पूर्व सैनिकों ने पूर्व सैनिक कैप्टन रामदास यादव के निधन हो गया। उनका सैनिक सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। समिति के पदाधिकारियों ने पूर्व कैप्टन को श्रद्धांजलि दी। मई खास रूचन मानिकपुर के कैप्टन रामदास यादव का मधुमक्खी के काटने से असमय निधन हो गया। पूर्व कैप्टन को तिरंगे में लपेट कर अंतिम संस्कार किया गया। भूतपूर्व सैनिक कल्याण समिति नगला गुलाल के रामपाल सिंह, राजेंद्र, दलवीर सिंह, रामनरेश यादव, रामप्रकाश, अहिबरन सिंह, शिवराज सिंह सहित अनेक पूर्व सैनिकों ने पुष्प चंक्र चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी।

भ्रष्टाचार व नियम विरुद्ध सम्बद्धता के बहाने मालामाल हो रहे सीएमओ

● अन्यत्र अस्पतालों में कार्यरत डाक्टर भी जिला अस्पताल के आवास में जमाए हैं अवैध कब्जा अली हुसेन फार्मासिस्ट ने आवास को दिया टू डॉ आर के सिंह व कार्रवाई करने के नाम पर कुछ नहीं बोलते हैं सीएमओ

● पूर्व एसीएमओ डा0 फख्रेयार भी नहीं छोड़ रहे जिला अस्पताल का आवास

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। जनपद का स्वास्थ्य महकमा आकंठ भ्रष्टाचार में डूबा हुआ है यहाँ नियम कानून ताक पर रख मनमानी तरीके से पटलों का आवंटन किया गया है। चाहे डाक्टरो की तैनाती हो या फिर बाबुओं के बीच का पटल बँटवारा हो हर जगह भ्रष्टाचार स्पष्ट दिखाई दे रहा हैजैसे डॉक्टर आर के सिंह अंबरीश श्रीवास्तव , अरुण शाही , दिलीप मिश्रा , लारी, आनंद श्रीवास्तव एस एलटी जैसे बाबू नियम विरुद्ध सीएमओ कार्यालय से संबद्ध है। सूत्रों की बातो पर यदि गौर करें तो ब्लाक स्तर पर कई ऐसे एमओआईसी हैं डॉ0 भाष्कर यादव, प्रभारी परशुरामपुर, डॉ0 फ़ैज़ वारिसी प्रभारी कुदरहा जो 7 साल से एक ही जगह पर अंगद की तरह पैर ज़माये हुए हैं जो अपनी मजबूत पकड़ के चलते निर्धारित समयसीमा को लाँघ चुके है फिर भी सीएमओ की मिलीभगत से अंगद की तरह वहीं पॉव जमाए हुए हैं।इसी प्रकार बाबुओं के बीच पटल बॅटवारा में भी खूब घालमेल है , मजबूत पकड़ वाले बाबू दूसरी जगह तैनाती के बाद भी संबद्धता के सहारे रसास्वादन कर रहे हैं और जिम्मेदार अपने हिस्से की मलाई लेकर चुप्पी साधे हुए हैं। सीएससी हरैया में डॉ आरके सिंह पिछले कई सालों से एक ही जगह पर अंगद की तरह पांव जमी भी है शासन प्रशासन इनकी मुट्ठी में रहता है इनके ऊपर कारवाई कब होगीइसी प्रकार तमाम चिकित्सक निर्धारित समय सीमा कई वर्ष पहले ही लॉघ चुके हैं परन्तु निजी क्लीनिक होने के कारण व विभाग में मजबूत पैठ के चलते स्थानान्तरण के दायरे से बाहर हैं।

शासनादेशों की यदि बात करें तो कोई भी कर्मचारी अधिकतम तीन वर्ष ही एक स्थान पर तैनात रह सकता परन्तु शासनादेशों के विपरीत तैनाती देकर स्वास्थ्य विभाग के मुखिया सीएमओ लगातार रसास्वादन में मस्त हैं।

कोरांव जमुनापार क्षेत्र में झोलाछाप डॉक्टरों की चांदी

● नर्सिंग होमो के एजेन्ट के रूप में कर रहे काम।

स्वतंत्र प्रभात

कोरांव। नगर पंचायत कोरांव में वर्तमान में दो सौ से अधिक झोलाछाप डॉक्टर जहां मरीजों के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर अयोध्या में प्रसिद्ध झोलाछाप डॉक्टर कमाल का इलाज कराने से पीछे नहीं हटता। इनमें से अधिकांश झोलाछाप डॉक्टर मरीजों को अल्ट्रासाउंड व पथरी बताकर सम्बन्धित नर्सिंग होमो से कमीशन लेकर झूठे आपरेशन करवा देते हैं जिसका खामियाजा क्षेत्रीय लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

सभी नामी गिरामी नर्सिंग होमो में 20 से 30 प्रतिशत के कमीशन पर धड़ल्ले से व्यवसाय फल फूल रहा है। बगैर बिना किसी इमरजेंसी के भी कलयुग के डाक्टर कमीशन के लालच में मरीजों के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। इस सम्बन्ध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ समीम अख्तर खान से बात करने पर बताया कि कुछ शिकायत मिलती है, किन्तु बिना उपजिलाधिकारी या सी एम ओ प्रयागराज से कोई लिखित आदेश मिलने पर ही कार्य वाही की जाएंगी।

इतना ही नहीं यहीं हाल पैथोलॉजियो की ही है, जहां बगैर रजिस्ट्रेशन व डिग्री धारक ब्लड जांच के नाम पर खुलेआम वशूली जहां कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कहीं भी किसी सेन्टर पर कोई रेट लिस्ट नहीं है।जिसका खामियाजा यहां के गरीब क्षेत्रीय मरीजों को उठाना पड़ रहा है, और दूसरे दवाएं देकर विमारी को बिगाड़ने के साथ ही साथ शारीरिक व मानसिक तथा आर्थिक शोषण कर रहे हैं। किन्तु उच्चाधिकारियों को इसकी कोई परवाह नहीं है नहीं कभी किसी की जांच की गई और नहीं कार्रवाई ही।

बस्ती जिले में बीएसए के जांच में अनुपस्थित मिले शिक्षको का एक दिन का वेतन बाधित कर मांगा स्पष्टीकरण बी एस ऐ

● दो शिक्षामित्र का संविदा समाप्ति के लिए प्रस्ताव देने का निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिले में बीएसए अनूप कुमार ने शिक्षा व्यवस्था को चाक-चौचंद करने के लिए बीएसए ने 17 परिषदीय विद्यालयों के अलावा ब्लॉक संसाधन केंद्र व कस्तूरबा विद्यालय रामनगर का निरीक्षण किया। इस दौरान दो शिक्षामित्र एक साल से गैरहाजिर पाए गए। इनकी संविदा समाप्ति के लिए प्रधानाध्यापकों को प्रस्ताव देने के निर्देश दिए गए। वही10 शिक्षक और 10 शिक्षामित्र के अलावा अनुचर अनुपस्थित पाए गए।बीएसए ने इनके एक दिन का वेतन बाधित कर स्पष्टीकरण मांगा है।

निरीक्षण में प्राथमिक विद्यालय करमा पाठक तथा बस्थनवा सल्टौआ में शिक्षामित्र एक साल से अधिक समय से बिना सूचना अनुपस्थित पाए गए। बीएसए ने सदर, साऊंघाट, सल्टीआ व रामनगर के 17 परिषदीय विद्यालयों, ब्लॉक संसाधन केंद्र तथा कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय रामनगर का निरीक्षण किया। विद्यालयों में नवीन नामांकन, निशुल्क पाठ्य-पुस्तक वितरण, पठन-पाठन की व्यवस्था, एमडीएम योजना तथा स्कूल कम्पोजिट ग्राण्ट व्यय आदि की जांच की। इसमें कंपोजिट पूर्व माध्यमिक विद्यालय मड़वानगर ब्लॉक सदर में आठ शिक्षक अनुपस्थित पाए गए। सल्टौआ के प्राथमिक विद्यालय मझौवा लाला, पूर्व माध्यमिक विद्यालय जोगिया जुड़ी कुइयां, प्राथमिक विद्यालय पिपरहिया, मझौवा बाबू, करमा पाठक में एक शिक्षामित्र, पूर्व माध्यमिक विद्यालय मझौवाबाबू में एक अनुचर गैरहाजिर मिले। प्राथमिक विद्यालय अगया में 02 शिक्षा मित्र, प्राथमिक विद्यालय बस्थनवा में एक शिक्षामित्र तथा रामनगर के प्राथमिक विद्यालय चिरई बुजुर्ग, प्राथमिक विद्यालय असनहरा, कंपोजिट पूर्व माध्यमिक विद्यालय मझौवा राम

प्रसाद में 02 शिक्षक अनुपस्थित पाए गए।

बीएसए अनूप कुमार ने बताया कि अनुपस्थित पाए गए? शिक्षको का एक दिन का वेतन बाधित कर स्पष्टीकरण मांगा है।वही विकास खण्ड रामनगर के विद्यालयों में स्कूल कम्पोजिट ग्राण्ट व्यय व्यापक दुरूपयोग पाया गया है। जहां विद्यालयों में वित्त एवं लेखाधिकारी की अध्यक्षता में टीम गठित कर जांच करायी जायेगी। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त दोशी व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। प्राथमिक विद्यालय करमा पाठक तथा प्राथमिक विद्यालय बस्थनवा विकास खण्ड सल्टौआ में शिक्षामित्र पिछले एक साल से अधिक समय से बिना सूचना अनुपस्थित पाये गये ?है। जहां ग्राम शिक्षा समिति के माध्यम् उनकी संविदा समाप्ति हेतु प्रस्ताव उपलब्ध कराने हेतु प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया गया।

भारत रत्न बाबा साहेब डा0 भीमराव अम्बेडकर जी को उनकी जन्म- जयंती पर शत- शत नमन

चन्द्र फ्यूल स्टेशन

महरुआ-दोस्तपुर रोड नरसिंहदासपुर, अम्बेडकरनगर।

प्रो. चंद्रभान

मैनेजर पवन कुमार